वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रकाशित

गुरुवार, पौष कृष्ण पक्ष, नवमी, कलियुग वर्ष ५१२२ (७ जनवरी, २०२१)

वैदिक उपासना

राष्ट्र एवं धर्मके पुनरूत्थान हेतु समर्पित ऑनलाईन दैनिक वृत्त पत्र

धर्माचरण हेतु कष्ट उठाना, राष्ट्र हेतु समय देना एवं साधना हेतु त्याग करना, यह सनातन उपासना है।

e-mail : upasanawsp@gmail.com, website : www.vedicupasanapeeth.org.

जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रं

८ जनवरी २०२१ का वैदिक पंचांग

कलियुग वर्ष – ५१२२ / विक्रम संवत – २०७७ / शकवर्ष - १९४२.....कलके पंचांगके सम्बन्धमें और जानकारी हेतु इस लिंकपरजाएं.....https://vedicupasanapeeth.org/hn/kal-ka-panchang-08012021

देव स्तुति

महालक्ष्मै च विद्महे विष्णुपत्न्यै च धीमहि,
तन्नो लक्ष्मी: प्रचोदयात्।

अर्थ : हम विष्णु पत्नी महालक्ष्मीको जानते हैं तथा उनका ध्यान करते हैं। वे लक्ष्मीजी हमें प्रेरणा प्रदान करें।

शास्त्रवचन

न देशकालनियमो न शौचाशौचनिर्णयः।
परं संकीर्तनादेव राम रामेति मुच्यते॥

अर्थ : कीर्तनमें देशकालका नियम नहीं है, शौचाशौचका निर्णय भी आवश्यक नहीं है। केवल 'राम-राम' ऐसा कीर्तन करनेसे ही परम मोक्षकी प्राप्ति हो जाती है।

****

विष्णोरेकैकनामापि सर्ववेदाधिकं मतम्।
तादृंकनामसहस्रेण रामनाम समं स्मृतम्॥

अर्थ : पद्मपुराणके अनुसार नाम महिमा : भगवान् विष्णुका एक-एक नाम भी सम्पूर्ण वेदोंसे अधिक माहात्म्यशाली माना गया है। ऐसे एक सहस्र नामोंके तुल्य रामनाम कहा गया है।

धर्मधारा

समर्पित शिष्यके ऊपर नहीं लागू होता है पञ्च महाऋण !

समर्पित शिष्यके ऊपर नहीं लागू होते हैं पञ्च महाऋण ! सामान्य गृहस्थ या व्यक्तिको, देव, ऋषि, पितर, अतिथि एवं समाजके (या भूत ऋणके) प्रति, पञ्च ऋणका भुगतान करना पडता है। इस हेतु शास्त्रोंमें पञ्च महायज्ञका विधान बताया गया है, तभी उनका जीवन सुखी होता है। इसके विपरीत जो भी शिष्य पूर्ण रूपेण गुरुके शरणागत होकर साधनारत रहता है (पूर्ण समय गुरु या गुरु कार्य हेतु समर्पित रहता है), उनपर ये ऋण लागू नहीं होते हैं एवं समर्पित शिष्यकी आध्यात्मिक प्रगति द्रुत गतिसे होनेका एक कारण यह भी है। इसीसे गुरुका महत्त्व कितना है ?, यह ज्ञात होता है। ऐसे परमब्रह्मस्वरूपी गुरु तत्त्वको नमन है।

****

अधिकांशतः विदेश जानेवाले हिन्दुओंको भारतका अध्यात्मिक महत्त्व ज्ञात ही नहीं है !

कुछ दिवस पूर्व एक स्त्रीका हमारे पास दूरभाष आया कि वे मेरे लेखसे प्रेरित होकर विदेश छोड भारत लौट आई हैं । यथार्थ तो यही है कि आज अधिकांश विदेश जानेवाले हिन्दुओंमें अपने देशके प्रति धर्माभिमान अल्प है या उन्हें भारत जैसे देशका आध्यात्मिक महत्त्व ज्ञात ही नहीं है । मैंने पाया है कि विदेश जाकर बसनेको, आजका हिन्दू एक विशेष सामाजिक प्रतिष्ठाकी दृष्टिसे देखने लगा है जो अत्यन्त घातक एवं चिन्तनीय वस्तुस्थिति है । स्वार्थ एवं क्षणिक सुखमें अन्धे हुए हिन्दुओंके विदेश जाकर बस जानेपर, उनकी दो-तीन पीढियोंके पश्चात उनके कुलकी अगली पीढीकी स्थिति क्या होगी ? इसकी वे कल्पना भी नहीं करते हैं । क्षणिक सुखके लिए अपनी अगली पीढीको भोग और अधर्मकी ओर धकेलनेवाले आपके कभी शुभचिन्तक नहीं हो सकते हैं । यह ध्यान रखें, चाहे वह आपके माता-पिता ही क्यों न हों ? विदेश जानेपर न ही व्यवस्थित रूपसे धर्मपालन हो पाता है और न ही भारत जैसी सात्त्विक भूमिका आध्यात्मिक लाभ ही मिलता है !

****

हिन्दू राष्ट्र आवश्यक क्यों ? (भाग-१)

जिन्हें योग्य और अयोग्य, धर्म और अधर्मके मध्य भेद करना नहीं आता है, वे बुद्धिजीवी कहलानेके अधिकारी नहीं होते हैं एवं जो योग्य और अयोग्य, धर्म और अधर्मके मध्य भेद कर सके, हमारी वैदिक संस्कृतिमें ऐसे विवेकशील मनुष्यको ही पण्डित या बुद्धिजीवी कहा गया है । आजके 'पढे-लिखे मूढ'

जो देशद्रोहको अभिव्यक्तिकी स्वतन्त्रता कहते हैं, वे बुद्धिभ्रष्ट कहलानेके अधिकारी होते हैं । निधर्मी मैकालेकी शिक्षण पद्धतिके कारण ऐसे बुद्धिभ्रष्टोंकी संख्यामें भारी वृद्धि हुई है । ऐसे बुद्धिभ्रष्टोंको मात्र दण्डितकर ही सुधारा जा सकता है; क्योंकि बुद्धि तामसिक हो जानेके कारण उन्हें बौद्धिक ज्ञान देना, समय व्यर्थ करने समान है । वैदिक शिक्षण पद्धतिको शीघ्र लागू करनेसे इस प्रजातिके नूतन जीवोंका जन्म नहीं होगा, इस हेतु हिन्दू राष्ट्रकी स्थापना ही एकमात्र पर्याय है ।

– (पू.) तनुजा ठाकुर, सम्पादक

प्रेरक प्रसंग

स्वभावकी सुन्दरता

एक समयकी बात है, एक बार दन्त और जिह्वामें भयन्कर युध्द छिड गया ।

दांतने जिह्वासे कहा, “अरे ! तुम मात्र एक मांसके लोथडेके समान हो । तुममे तो कोई भी विशेषता नहीं है । न ही तुम्हारा कोई रूप है और न ही कोई रंग । हमारे सभी दांतोंको देख रही हो, कैसे मोतियोंकी भांति चमक रहे हैं ।“ जिह्वा बेचारीने कुछ भी नहीं कहा और वह चुप रही ।

दांतने फिर जिह्वासे कहा, “अरे, तुम चुप क्यों हो, हमसे डर रही हो क्या ? हम हैं ही इतनें सुन्दर, तुम हमसे जलोगी ही न और हम हैं इतने बलवान कि डर तो तुम्हें लगेगा ही ।“ जिह्वा, दांतोंकी बातोंको अनसुना करते हुए चुप रही ।

दिवस बीतते गए, समय अपनी गतिके साथ आगे बढता गया और देखते ही देखते कई माह और वर्ष बीत गए ।

अब आयु ढलनेके साथ-साथ, धीरे-धीरे एक-एक करके दांत गिरते गए; परन्तु होना क्या था जिह्वा वहीं ज्योंकी त्यों बनी रही।

अब कुछ बचे हुए दांत जब गिरनेको हुए तब जिह्वाने दांतसे कहा, "भैया बहुत दिवस पहले आपने मुझसे कुछ कहा था, आज उन सबका उत्तर दे रही हूं। मनुष्यके मुखमें आप सब दांत मुझसे बहुत पश्चातमें आए हैं। मैं तो जन्मके साथ ही पैदा हुई हूं। अब आयुमें भी तुम मुझसे छोटे हो; परन्तु छोटे होनेके पश्चात भी एक-एक करके तुम सब मुझसे पहले ही विदा हो रहे हो, इसका कारण पता है?

दांत जिह्वासे अब विनम्र भावसे बोले, "दीदी ! अब तक तो नहीं समझते थे; परन्तु अब बात समझमें आ गई। तुम कोमल और मुलायम हो और हम कठोर हैं। कठोर होनेका दण्ड ही हमें मिला है।

" मित्रों, आप सब भी कोमल बनें। कोमलसे तात्पर्य है आपका व्यवहार रूखा न हो। आपके कार्य दूसरोंको सुख ही प्रदान करें। जो मनुष्य जिह्वाके समान कोमल होता है, जिसकी वाणी मीठी होती है और जिसका व्यवहार कोमल तथा मिलनसार होता है उसे सभी पसन्द करते हैं और उसे कभी भी कोई छोडना नहीं चाहता।

घरका वैद्य

मूंगफली (भाग-५)

१२. मस्तिष्कके लिए : मूंगफलीमें 'ट्राइटोफन' नामक 'अमीनो एसिड' होता है जोकि मस्तिष्कमें तन्तुओंको ऊर्जा प्रदान करने और नए तन्तुओंके उत्पादनमें सहायता करता है। जो

लोग मन्द-मस्तिष्क होते हैं, उनके लिए मूंगफलीका सेवन बहुत लाभदायक है।

१३. कर्क रोगके (कैंसर)के लिए उपयोगी : मूंगफलीमें 'पॉलिफीनॉलिक' नामक तत्वकी 'एंटीऑक्सीडेंट'की अधिक मात्रा पाई जाती है। 'पी-कौमरिक एसिड'में उदरके 'कैंसर' कर्क-रोगके सङ्कटको न्यून करनेकी क्षमता होती है। मूंगफली विशेष रूपसे महिलाओंमें, उदरके 'कैंसर'को कम करती है। २ चम्मच मूंगफलीके मक्खनका, न्यूनतम एक सप्ताहमें दो बार सेवन करनेसे महिलाओं और पुरुषोंमें, उदरके कैंसरके सङ्कटको न्यून कर सकते हैं। यह महिलाओंके लिए, मूंगफलीके सबसे अच्छे लाभोंमेंसे एक है।

१४. प्रजननके लिए सहयोगी : मूंगफली महिलाओंमें प्रजनन शक्तिको उत्तरोत्तर अच्छा बनाती है। मूंगफलीमें 'फोलिक एसिड' होता है। यह 'फोलिक एसिड', गर्भावस्थाके मध्य, भ्रूणमें ७०%तक 'न्यूरल ट्यूब'के गम्भीर दोषोंको कम कर देता है। गर्भवती महिलाओंके लिए मूंगफलीका सेवन और भी अधिक लाभदायक है। इसमें 'फोलिक' नामक तत्व प्रचुर मात्रामें होता है। यह शरीरमें कोशिकाओंके विभाजनमें सहायता करता है। साथ ही 'फोलिक' गर्भके भीतर शिशुको, मस्तिष्क सम्बंधी समस्याओंसे भी दूर रखता है।

उत्तिष्ठ कौन्तेय

'एनडीटीवी' पत्रकारने बताया, हिन्दुओंकी यात्रापर 'पत्थरबाजी' करनेको संवैधानिक अधिकार

'एनडीटीवी' पत्रकार श्रीनिवासन जैनने भाजपासे घृणा प्रकट करनेके लिए ५ जनवरीको एक 'ट्वीट' किया, इस

'ट्वीट'में उन्होंने भाजपा शासित प्रदेशोंमें लाए गए नूतन विधान या सत्ताधारी दलद्वारा लिए गए निर्णयोंको लेकर अपने कुतर्क दिए।

श्रीनिवासन जैनने शासकीय पत्रोंसे 'हलाल' शब्द हटाए जानेके निर्णयको शासनकी 'स्ट्राइक' कहा और उत्तर प्रदेशमें लव जिहादके विरुद्ध बनाए गए विधानके लिए लिखा कि एक राज्य शासनने अन्तरधार्मिक विवाहको आपराधिक घोषित करनेके लिए विधान पारित किया है। इसके पश्चात उन्होंने मध्य प्रदेशके उज्जैनमें हुई हिंसाका आरोप राम मन्दिर दान यात्रापर लगाया और कहा कि उसीसे हिंसा भडकी; किन्तु शासनने 'पत्थरबाजों'के विरुद्ध विधान बना दिया!

श्रीनिवासनने मुन्नवर फारूकीका बचाव करते कहा कि उसने हिन्दू देवी-देवताओंके लिए अभद्र टिप्पणी नहीं की और कहा कि गृहमन्त्रीका उपहास करनेके कारण फारूकीको बन्दी बनाया।

इसी प्रकार भारतीय वैज्ञानिकोंका उपहास करते हुए 'वैक्सीन'पर सन्देह प्रकट किया।

पत्रकारितासे तो महोदय आतङ्कियोंके जैसा व्यवहार कर रहे हैं; परन्तु वेष पत्रकारका है! ऐसे व्यक्तियोंको कठोर दण्ड देना चाहिए; अन्यथा जिहादी प्रवृत्तिके व्यक्तियोंका मनोबल बढता ही जाएगा।

****

रईस खानकी बेटीसे था धर्मेन्द्रको प्रेम, उसकी हत्या कर शव जलाया गया

मध्य प्रदेशकी राजधानी भोपालमें २९ अगस्त, २०२० को गूंगा क्षेत्रमें पुलिसको २६ वर्षीय धर्मेन्द्रका

'मोटरसाईकिल'के संग जला हुआ शव दृष्टिगत हुआ था । 'पोस्टमॉर्टम'से ज्ञात हुआ था कि उसकी मृत्यु विद्युतधाराद्वारा (बिजली करंटद्वारा) दहनसे हुई है; परन्तु पुलिसको शङ्का हुई कि यदि आकाशीय विद्युतके कारण यह मृत्यु हुई थी तो शवके हाथोंकी मुट्ठी कैसे बन्द थी ? वह तो 'मोटरसाईकिल'पर आरूढ (सवार) था । दूसरी शङ्का यह हुई कि वह नगरके जिस स्थानपर शाहपुरामें चाकरी (नौकरी) करता था, वहांसे इतनी दूर कैसे आया था ? इन दोनों शङ्काओंके कारण पुलिसने जांच की तो कुछ दिनों उपरान्त पुलिसको ज्ञात हुआ कि गूंगा क्षेत्र निवासी एक लडकीसे धर्मेन्द्रका प्रेम सम्बन्ध था । पुलिसने लडकीके पिता रईस खानसे कठोरतासे पूछताछ की तो सत्य ज्ञात हुआ ।

रईस खानको अपनी बेटी तथा धर्मेन्द्रके मध्य हुए प्रेमपर आपत्ति थी । उसे ज्ञात था कि वह उसकी बेटीसे किस स्थानपर मिलता है ? रईस खानने ऐसा षड्यन्त्र किया कि यह हत्या एक दुर्घटना प्रतीत हो । जब २९ अगस्तको धर्मेन्द्र उसकी बेटीसे मिलकर लौट रहा था तो, रईस खानने प्रथम उसके सिरपर पत्थरसे आक्रमण किया, तदुपरान्त उस क्षेत्रसे निकल रही 'हाई टेंशन लाईन'से उसे विद्युतके झटके दिए । मृत्यु होनेपर उसके शवको मुख्य मार्गपर लाकर उसकी 'मोटरसाईकिल'के निकट फेंक दिया । यह सब ऐसे किया जैसे उसकी मृत्यु आकाशीय विद्युतसे हुई प्रतीत हो ।

'पोस्टमॉर्टम'में मृत्युका कारण विद्युतसे दहन दर्शानेके उपरान्त भी भोपाल पुलिसने इस षड्यन्त्र को उजागर किया । यह पुलिसकर्मियोंका एक प्रशंसनीय कार्य है; परन्तु मुख्य बात यह है कि जिहादी हिन्दुओंकी बेटियोंसे तो

जिहादी हेतु प्रयत्नशील रहते हैं; परन्तु यदि कोई हिन्दू युवक मुसलमान युवतीसे प्रेम करे, यद्यपि वह आतङ्कियोंकी भांति जिहाद न करके केवल प्रेम ही करता है, तो भी उसे मार दिया जाता है । इससे आतङ्की समाजकी सत्यताका बोध होता है। (०६.०१.२०२१)

****

ताजमहलमें भगवा लहरानेपर कट्टरपन्थियोंने खोया मानसिक सन्तुलन

उत्तर प्रदेशके आगरामें चार हिन्दुओंको बन्दी बनाया गया है । उन चारोंने ताजमहलके पर्यटन-परिसरमें भगवा लहराते हुए अपना 'वीडियो' बनवाया था। कट्टरपन्थियोंने आग-बबूला होकर विषवमन किया । उन्होंने वहांके सुरक्षाकर्मियोंपर अनुपस्थित होनेके आरोप लगाते हुए बुरा-भला कहा । ये आरोप 'आल्टनयूज'के जुबैरने लगाया । ताजमहल लम्बे समयतक महामारीके कारण बन्द पडा था। गृहबन्दीके खुलते ही कुछ पर्यटकोंने वहां जाना आरम्भ किया। पर्यटक-स्थलकी सुरक्षा हेतु 'सीआईएसएफ'के सुरक्षाकर्मी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें महिलाएं और पुरुष दोनों सेवारत हैं । कट्टरपन्थी मानसिकतावाले जिहादियोंने संविधानके प्रति उनकी निष्ठापर शङ्का प्रकट करते हुए उन्हें झूठा बताया।

भारत समाचारने लिखा था कि आगराके ताजमहलमें एक बार पुनः लहराया भगवा । इसपर 'बॉलीवुड'की अभिनेत्री स्वरा भास्करने भी कट्टरपन्थियोंको उकसाने हेतु लिखा, "एक बार फिर भगवा गुण्डोंने अवैधानिक ढंगसे एक मुसलमान राजाद्वारा बनाए गए भवनमें तोडफोड की।"

एक अन्य जिहादीने लिखा कि संघियोंके घरपर खाना भी ठीक प्रकारसे नहीं पकता, तो सौ वर्षमें वो एक भवनतक खडा नहीं कर सके।

दो माह पूर्व मुसलमानोंने मथुराके मन्दिरमें नमाज पढी थी, तो धर्मान्धोंने प्रसन्नतासे तालियां पीटी थीं। वहां नमाज पढनेवाला संविधान विरोधी 'फैजल', 'सीएए'के विरोधी प्रदर्शनमें भी सहभागी पाया गया था। अयोध्याके पश्चात मथुराके लिए आरम्भ किए गए सङ्घर्षमें 'फैजल'ने नन्द बाबा मन्दिरमें जाकर नमाज पढी थी।

जिहादी मन्दिरोंमें घुसकर नमाज पढते हैं, तो अन्य जिहादी मानसिकतावाले इसे सामुदायिक एकताका प्रतीक बताते हैं, वहीं एक पर्यटन स्थलपर अपनी प्रसन्नताके लिए कोई अपना 'वीडियो' बनवाते समय भगवा झण्डा भी फहरा दे, तो धर्मान्ध रुष्ट होकर चिल्लाने लगते हैं। सभी जानते हैं कि ताजमहल किसकी निर्मित की गई संरचना है; परन्तु कोई स्वीकार अभी नहीं करेगा; परन्तु हिन्दू राष्ट्रकी स्थापना होते ही इनका सत्य उजागर होगा ! (०६.०१.२०२१)

****

परमार वंशके राजभवनपर काजी इरफान, महबूब और अहमदकी निजी सम्पत्तिका बोर्ड

क्या सशक्त पत्थरोंसे बनी ऊंची भीतों और गुम्बदोंसे घिरे किसी एक सहस्र वर्ष प्राचीन राजभवनका कोई भाग किसीकी निजी सम्पत्ति हो सकती है, जिसकी एक भीतको (दीवारको) तोडकर सीमेंट और लोहेका द्वार लगा दिया गया हो और कोई इस ओर ऐसी-वैसी दृष्टिसे न देखे, इसके लिए पुरानी भीतपर

(दीवारपर) एक हस्ताक्षर फलक (साइन बोर्ड) टांग दिया गया हो, 'निजी सम्पत्ति, उदयपुर पैलेस, खसरा नंबर - ८२२, वार्ड नम्बर-१४।'

मध्य प्रदेशकी राजधानी भोपालके निकट केवल डेढ सौ किलोमीटर दूर एक पूर्ण और प्राचीन नगर अपने एक सहस्र वर्ष प्राचीन वैभवमें शेष है, जैसे प्राण त्याग रहा है; परन्तु ग्राम पंचायतसे लेकर संसद तककी यात्रा करनेवाले जनताके प्रतिनिधियों और प्रशासनिक पराक्रमियोंने इसे घूरेकी भांति रखकर छोडा है।

भोले ग्रामवासी हिन्दू किसी परमज्ञानी मौलवीके सन्दर्भसे यहां किसी पीरके प्रकट होनेकी 'ब्रेकिंग न्यूज' हाथ जोडकर थमा देते हैं।

परमार वंशके महाराजा उदयादित्यके राजभवनके एक बन्द द्वारपर टंगा वह 'साइनबोर्ड' नूतन इतिहासकी घोषणा कर रहा है, 'निजी सम्पत्ति, उदयपुर पैलेस, वार्ड नंबर-१४, खसरा नंबर-८२२, काजी सैयद इरफान अली, काजी सैयद महबूब अली, काजी सैयद अहमद अली।'

डॉ. सुरेश मिश्रने कहा कि पूरे नगरको नूतन ढंगसे सहेजनेकी आवश्यकता है। यहां कई भवन और मन्दिर बचे हुए हैं, जो भारतके शताब्दियों पुराने स्थापत्यका एक अप्रतिम परिचय दे रहे हैं। यदि इन्हें न बचाया गया, तो हमारी आंखोंके सामने यह धूलमें मिल रहा है। अब कोई विदेशी आक्रान्ता यह विनाश नहीं कर रहे, इसके उत्तरदायी हम हैं। पत्थरकी खदानोंने निर्माणके लिए आवश्यक सामग्री प्रचुर मात्रामें उपलब्ध कराई। जनसंख्याका जितना विस्तार है, प्राचीन नगरका उससे अधिक है। एक बडे भागके भवन धीरे-धीरे ढह रहे हैं। भवनका

कुछ भाग आज भी ऐसा है, जिसे सहेजा जा सकता है। यह पूरे जनपदमें एकमात्र ऐसा स्थान है, जिसे एक पर्यटन केन्द्रके रूपमें ऐसा विकसित किया जा सकता है कि लोगोंको एक पूरा दिन यहां व्यतीत कर अपने भूतकालमें झांकनेका अवसर मिले। मूल शिव मन्दिरके अतिरिक्त भी और कई पुराने मन्दिर और बावडियां हैं, जो किसी चमत्कारसे ही बचे रह गए हैं। इस्लामी आक्रान्ताओंसे यह नगर अछूता नहीं रहा है। इसके साक्ष्य मन्दिरमें ही दिखाई देते हैं, जहां मूर्तियोंको तोडा गया है। यह आश्चर्यकी बात है कि यह मन्दिर अपने मूल आकारमें बचा रह गया और यह नगर भी। दूर-दूरसे लोग उदयपुर आते हैं। अधिकतर केवल ११वीं शताब्दीके मन्दिरके दर्शन करने आते हैं और वे भी केवल महादेवकी पूजा-अर्चनाके लिए। गर्भगृहसे बाहर आकर वे आश्चर्यसे गर्दन ऊंची करके मन्दिरके स्थापत्यको देखते हैं और उसके चित्र लेते हैं। कोई- कोई ही पत्थरोंपर उकेरे इस चमत्कारके विस्तारके विषयमें जाना चाहता होगा। उन्हें इतिहासमें कोई रुचि नहीं है।

जिहादियोंने हमारे पुरातन पूजास्थल एवं प्रचीन स्मारकोंको ध्वस्तकर उन्हे अपनी 'मजारों' या मस्जिदके रूपमें परिवर्तित कर दिया है। हिन्दू बहुसङ्ख्यक समुदाय होकर भी जिहादियोंके इन कुकृत्यपर किसी भी प्रकारका विरोध न करना एक प्रकारसे हमारी दुर्बलता ही है। न शासन सचेत है और न ही हिन्दू, तभी तो एक महान धरोहर प्राण त्याग रही है। ऐसा नहीं है कि यह एकमात्र उदाहरण है, अन्य भी ऐसी भवन हैं, जिनके विषयमें कोई बात ही नहीं करना चाहता है। नेताओंको अपनी 'कुर्सी'से मोह है, इसलिए वे इन सबपर ध्यान ही नहीं देते; परन्तु

अपनी धरोहरको लेकर हिन्दुओंको भी चिन्ता नहीं, यह तो लज्जाजनक है । हिन्दुओ, समयसे पूर्व जाग जाओ ! (०६.०१.२०२१)

****

१५ वर्षीय बालिकासे विवाहित शाहरुखने किया बलात्कार, कारावाससे बाहर आया तो पुन: उसीके साथ किया बलात्कार

मध्य प्रदेशके सीहोरसे बलात्कारका एक प्रकरण सामने आया है, जहां पुलिसकी अनदेखीके कारण भाजपा नेताओंको न्यायके लिए हस्तक्षेप करना पडा । आरोपी शाहरुख खानने एक अवयस्क लडकीका अपहरण करके बलात्कार किया । पुलिसने अवयस्कसे बलात्कारका प्रकरण प्रविष्ट किया । आरोपी कारावास भी गया; परन्तु वो जैसे ही बाहर आया, उसने पुनः बलात्कार किया !

दिसम्बर २०२० में ही मध्य प्रदेशके ही उज्जैनसे 'लव जिहाद' और बलात्कारका प्रकरण सामने आया था । एक युवकने नाम परिवर्तितकर महिलाको फंसाया और २ वर्षोंतक उसका यौन शोषण किया । उसने छद्म हिन्दू नामक साथ मित्रताकी और उसके साथ सम्बन्ध बनाए । युवकका नाम वसीम अकरम था; परन्तु उसने विकास नामके साथ महिलासे छल किया । उसके 'ड्राइविंग लाइसेंस'से उसका रहस्य उद्घाटित हुआ ।

यह है हमारा निकृष्ट विधान, जहां बलात्कार करनेवाला कारावाससे बाहर आता है और यद्यपि वह विशेष समुदायका है, तो वह पुनः जघन्य कृत्य करता है ।

यह हिन्दुओंके लिए लज्जाजनक है और हिन्दुओंके मौन तथा असंगठित रहनेके कारण भी है।

****

हिन्दू नामके आश्रयपर जिहादीने किया मस्जिदमें छद्म निकाह, अभिनेत्री प्रीति तलरेजाने लगाया मारपीटका आरोप

महाराष्ट्रमें प्रीति तलरेजा नामक कथित अभिनेत्रीने 'सोशल मीडिया'के माध्यमसे अपने साथ हो रही घरेलू हिंसाके प्रकरणको उजागर किया है। 'एक्स्ट्रेस'ने अपने मुसलमान पतिपर उससे मारपीट करनेके अतिरिक्त धर्मान्तरण, शारीरिक और मानसिक शोषण आदिका आरोप लगाया है।

महिलाका कहना है कि उसकेद्वारा कई साक्ष्य दिए जानेके पश्चात भी उसके पति अभिजीत पेटकरके विरुद्ध परिवाद प्रविष्ट नहीं किया जा रहा और उसे 'एनसी' देकर कहा जा रहा है कि ये पारिवारिक प्रकरण है।

'सोशल मीडिया'पर प्रीति तलरेजाने २९ दिसम्बर २०२० से इस सम्बन्धमें अपने 'पोस्ट' डालने प्रारम्भ किए थे। पहले उन्होंने जानकारी दी कि उन्होंने खडकपडा थानेमें परिवाद लिखाया है; परन्तु वहांसे उन्हें कोई उत्तर नहीं दिया गया। उनकी 'एफआईआर'तक नहीं लिखी गई।

इसके पश्चात उन्होंने राज्यके मुख्यमन्त्री उद्धव ठाकरेको 'टैग' करके कहा कि उन्होंने अपने पतिके विरुद्ध परिवाद लिखवाया है, जिसने प्रेमके नामपर उनसे छल किया और एक छद्म निकाह करके ये विश्वास दिलाया कि उनकी आधिकारिक रूपसे विवाह हो गया है। अभिनेत्रीने बताया कि एक ओर उनके परिवादको थानेमें प्रविष्टतक नहीं होने दे रहे, वहीं दूसरी

ओर मस्जिदमें निकाह होनेके कारण उन्हें प्रमाणपत्र देनेसे मना किया जा रहा है।

महिलाने बताया कि उनका पति मुसलमान है और उसके पास धर्म परिवर्तनके कोई साक्ष्य भी नहीं है तथापि वो अपने वैधानिक प्रपत्रोंपर अपना नाम अभिजीत पेटकर उपयोग करता है। प्रीतिने अपने 'ट्विटर'पर उनके साथ हुई मारपीटकी 'वीडियो' भी साझा की है। उनका प्रमाण है कि साक्ष्य दिखानेके उपरान्त भी कल्याण खडपडा थानेमें परिवाद प्रविष्ट नहीं हो रही।

वह उद्विग्न होकर ४ जनवरीको कहती हैं कि भारतमें महिला यदि आत्महत्या कर ले तो निर्दोषको भी दण्ड दिया जाता है; परन्तु यदि कोई जीवित महिला संघर्ष करे तो उसका केवल शोषण होता है, यही सत्य है। महिलाके अनुसार, उसका पति उसकी पहली बेटीको साथ रखनेके विरुद्ध था।

वह त्रस्त होकर 'सोशल मीडिया'पर लिखती हैं, "मैं हिन्दू जन्मी हूं और हिन्दू ही मरूंगी। मेरी विनती है कि अपनी बेटीको अकेला न छोडें! मेरा परिवार मेरे साथ है; इसलिए साहस करके मैं यहांतक पहुंची हूं। लोगोंको जो कहना है, कहने दो; परन्तु इसे एक अपनी बेटी, बहन व पत्नी और अन्य महिलाओंके लिए अच्छे उदाहरणकी भांति लो।"

बता दें कि प्रीति तलरेजाने अपने 'यूट्यूब चैनल'पर एक 'वीडियो' 'अपलोड' किया है। इसके 'डिस्क्रिप्शन'में उन्होंने आपबीतीके रूपमें एक लेख लिखा है। वह लिखती हैं कि मैंने इस व्यक्तिसे विवाह किया; क्योंकि इसने मुझे अपनी सौम्य छवि दिखाई कि इसे इसकी पुरानी पत्नीने बहुत प्रताडित किया है और इसके माता-पिता भी नहीं हैं। इस मध्य मैं

इसकी ओर आकर्षित हुई; क्योंकि मेरे पतिसे मेरा विवाद हो रहा था। इसने मुझे अच्छे जीवनके लिए प्रतिज्ञा की और मेरे पतिको 'तलाक' देनेके लिए मुझे मना लिया। इसने मुझपर मुसलमान विधानके अनुसार विवाहका दबाव बनाया, जो वास्तविकतामें छद्म विवाह था, जिसे इसके मित्रोंने ही प्रबन्ध किया था। ये मुझे 'सोशल मीडिया' उपयोग करनेपर अपशब्द कहता और मेरी बडी बेटीके साथ रहनेपर भी क्रोधित होता। मेरे घरवालों और मैंने कई बार इसे इसकी छात्राओंके साथ 'डेट' करते देखा है; परन्तु पूछनेपर कहता कि वो ४ पत्नियोंसे अधिक रख सकता है। इसका पुलिस विभागमें और कुछ 'गुण्डों'से परिचय है, ये सदैव अपने और मेरे चित्र 'शेयर' करनेकी धमकी देता और मुझे व मेरे परिवारवालोंको हानि पहुंचानेकी धमकी देता है।"

अनेक हिन्दू युवती और अभिनेत्रियोंने इन मुसलमानोंके छद्म प्रेमजालमें फसकर अपना जीवन नरकतुल्य कर लिया है। क्या यह विधान है कि इनको न्याय मिलना चाहिए ? इस प्रकारकी कई युवतियां अभी भी इन जिहादियोंके कारण अपना जीवन व्यर्थ कर रही हैं; अतः इनसे बचने और अपनी सुरक्षाके लिए इनके माता-पिताको अपने बच्चोंको धर्मकी शिक्षा देना आवश्यक है, जिससे ऐसे धर्मान्धोंके छद्म जालमें न फसें।

****

ओडिशामें मन्दिरकी मूर्तियां तोडीं, छत्र भी चोरी, मिशनरी गतिविधियोंके लिए जाना जाता है आंध्रकी सीमासे लगा ये ग्राम

शनिवार २ जनवरी २०२१ को देर रात ओडिशाके एक मन्दिरमें देवी सरस्वती, लक्ष्मीकी मूर्तियोंको तोडनेकी सूचना है। यह घटना ओडिशाके दक्षिणी भागमें आंध्र प्रदेशकी सीमासे लगे रायगढ जनपद स्थित हुकुमटोला ग्रामकी है । यह क्षेत्र 'मिशनरी' गतिविधियोंके लिए कुख्यात है।

जानकारीके अनुसार, भगवान रामेश्वर महादेव मन्दिरके पुजारीको रविवार प्रातः इस मन्दिर के दरवाजे खुले मिले। उन्होंने जब मन्दिर में प्रवेश किया उन्होंने मन्दिरके वास्तुशिल्प और मूर्तियोंके अंश मन्दिर परिसरमें पाए । ततपश्चात पुजारीने मन्दिर प्रबन्धन समितिको इस घटना की जानकारी दी। मन्दिर प्रबन्धन समितिने यह भी आरोप लगाया है कि मूर्तियां तोडनेवाले उपद्रवियोंने भगवान जगन्नाथके आभूषण भी चोरी किए हैं।

स्थानीय प्रशासन और ओडिशा शासन तत्काल अपराधियोंको ढूंढकर दण्डित करे, यह सभी हिन्दूवादियोंकी मांग है। (०६.०१.२०२१)

****

वैदिक उपासना पीठद्वारा कुछ आवश्यक सूचनाएं

१. वैदिक उपासना पीठद्वारा विजयादशमीसे अर्थात दि. २५/१०/२०२० से ऑनलाइन बालसंस्कारवर्गका शुभारंभ हो चुका है। यह वर्ग प्रत्येक रविवार, त्योहारोंको एवं पाठशालाके अवकाशके दिन प्रातः १० से १०:४५ तक होगा। इस वर्गमें ७ वर्षसे १५ वर्षकी आयुतकके बच्चे सहभागी हो सकते हैं। यदि आप अपने बच्चोंको इसमें सम्मिलित करने हेतु इच्छुक हैं

तो पञ्जीकरण हेतु कृपया 9717492523, 9999670915 के व्हाट्सऐप्पपर सन्देशद्वारा सम्पर्क करें।

२. वैदिक उपासना पीठके लेखनको नियमित पढनेवाले पाठकोंके लिए निःशुल्क ऑनलाइन सत्सङ्ग आरम्भ किया जा चुका है।

आनेवाले सत्संगका विषय व समय निम्नलिखित है :

सङ्ख्या सीमित होनेके कारणकृपया अपना पञ्जीकरण यथाशीघ्र कराएं । इस हेतु ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) के व्हाट्सएप्पपर अपना सन्देश भेजें । कृपया पञ्जीकरण हेतु फोन न करें।

अगले कुछ सत्सङ्गोंकी पूर्व सूचना :

अ. जपमालासे सम्बन्धित तथ्य १ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

आ. शिष्यके गुण, ४ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

इ. नमस्कारसे सम्बन्धित शास्त्र, ६ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

ई. नामजप कब, कहां और कितना करें ? ८ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

३. वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रत्येक दिवस भारतीय समय अनुसार रात्रि नौसे साढे नौ बजे 'ऑनलाइन सामूहिक नामजप'का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें साधना हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, साथ ही आपको प्रत्येक सप्ताह 'ऑनलाइन सत्सङ्ग'के माध्यमसे वैयक्तिक स्तरपर भी साधनाके उत्तरोतर चरणमें जाने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा, यदि आप इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो आप हमें ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३

(9717492523) पर "मुझे सामूहिक नामजप गुटमें जोडें", यह व्हाट्सऐप्प सन्देश भेजें !

४. जो भी व्यक्ति वैदिक उपासना पीठके तत्त्वावधानमें अग्निहोत्र सीखना चाहते हैं वे ९९९९६७०९१५ के व्हाट्सऐप्पपर अपना सन्देश इसप्रकार भेजें ,'हमें कृपया अग्निहोत्र गुटमें सम्मिलित करें।'

५. कोरोना जैसे संक्रामक रोग एवं भविष्यकी आपातकालकी तीव्रताको ध्यानमें रखते हुए वैदिक उपासना पीठद्वारा संक्षिप्त दैनिक हवन कैसे कर सकते हैं ?, इस विषयमें १५ अगस्तसे एक नूतन उपक्रम आरम्भ किया जा रहा है। इसमें अग्निहोत्र समान इसे सूर्योदय या सूर्यास्तके समय ही करनेकी मर्यादा नहीं होगी, इसे आप एक समय या सप्ताहमें जितनी बार चाहे, कर सकते हैं । यदि आप सीखना चाहते हैं तो ९९९९६७०९१५ पर हमें इस प्रकार सन्देश भेजें, “हम दैनिक हवनकी सरल विधि सीखना चाहते हैं, कृपया हमें यथोचित गुटमें जोडें।”

प्रकाशक : Vedic Upasana Peeth
जालस्थल : www.vedicupasanapeeth.org
ईमेल : upasanawsp@gmail.com
सम्पर्क : + 91 9717492523 / 9999670915